

## कोडो मलिट के ज़हर से हाथियों की मौत

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के [बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व](#) में दस [हाथियों की संदग्धि कोडो मलिट](#) वषिक्तता के कारण मृत्यु हो गई। कोडो मलिट एक ऐसा अनाज है जो वशेष पर्यावरणीय परस्थितियों में वषिक्तता उत्पन्न कर सकता है।

### मुख्य बदि

#### कोडो मलिट के बारे में:

- कोडो मलिट जिसे [Paspalum scrobiculatum](#) (Paspalum scrobiculatum) के नाम से जाना जाता है, एक लचीली, [सुखा-सहषिणु फसल](#) है जिमें उच्च उपज और उत्कृष्ट भंडारण क्षमता है, जो अक्सर भारत में आदविसी और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों के लिये मुख्य भोजन के रूप में काम आती है।
- भारत, वशेषकर मध्य प्रदेश, इसका सबसे बड़ा उत्पादक है।
- मध्य प्रदेश के अलावा बाजरे की खेती गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और तमलिनाडु के कुछ हसिसों में की जाती है।

#### कोडो मलिट की वषिक्तता:

- मलिट (बाजरा), खास तौर पर कोडो मलिट, [एरगोट](#) जैसे [फंगल संक्रमणों](#) से ग्रस्त होता है, जो वषिक्त पदार्थ उत्पन्न कर सकता है जो अनाज की उपज को नुकसान पहुँचाता है और खाने पर वषिक्तता उत्पन्न करता है। ये संक्रमण वशेष रूप से आर्द्र परस्थितियों में नुकसानदायक होते हैं।
- वषिक्तता तब उत्पन्न होती है जब पर्यावरणीय परस्थितियाँ कवक की वृद्धि को बढ़ावा देती हैं, जिसे [माइकोटॉक्सनि साइक्लोपियाज़ोनिक एसडि \(CPA\)](#) उत्पन्न होता है।
- CPA तंत्रिका और [हृदय प्रणाली](#) को प्रभावित करता है, जिसे पशुओं में [उल्टी, कम्पन और हाथ-पैर ठंडे होने](#) जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।

#### कोडो वषिक्तता के ऐतहासिक मामले:

- दस्तावेज़ में दर्ज मामले 1922 के हैं, जिमें [माइकोटॉक्सनि युक्त बाजरे से मनुष्य और पशु दोनों प्रभावित हुए थे](#)।
- कोडो मलिट के ज़हर के कारण समय-समय पर वन्यजीवों की मौत हो रही है, जिमें वर्ष 2022 में एक हाथी की मौत भी शामिल है।

#### जाँच एवं रोकथाम:

- [पता लगाने के लिये क्रोमैटोग्राफी](#) जैसे रासायनिक वशिलेषण या [एलसिा \(ELISA\)](#) जैसी तीव्र वधियों की आवश्यकता होती है।
- संदूषण को रोकने के लिये, वशेषज्ञ उचित भंडारण और [जैव नयित्रण वधियों की सलाह देते हैं](#), जिमें लाभकारी जीव शामिल होते हैं जो फंगल प्रसार को सीमित करते हैं।

### मलिट (बाजरा)

#### परचिय:

- यह एक सामूहिक शब्द है जो अनेक छोटे बीज वाली वार्षिक घासों को संदर्भित करता है, जिनकी खेती अनाज की फसलों के रूप में, मुख्य रूप से समशीतोष्ण, [उपोष्णकटबिंधीय और उष्णकटबिंधीय कषेत्रों](#) के शुष्क कषेत्रों की सीमांत भूमि पर की जाती है।
- भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाज हैं रागी (फगिर मलिट), ज्वार (सोरघम), समा (लटिलि मलिट), बाजरा (परल मलिट) और वरगिा (प्रोसो मलिट)।
- इन अनाजों के सबसे पुराने साक्ष्य [सधु सभ्यता](#) में पाए गए हैं और ये भोजन के लिये पालतू बनाए गए पहले पौधों में से एक थे।
- यह लगभग 131 देशों में उगाया जाता है और एशिया और अफ्रीका में लगभग 60 करोड़ लोगों का पारंपरिक भोजन है।
- भारत वशिव में बाजरे का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- यह वैश्विक उत्पादन का 20% तथा एशिया के उत्पादन का 80% है।

#### वैश्विक वतितरण:

- भारत, नाइजीरिया और चीन वशिव में बाजरे के सबसे बड़े उत्पादक हैं, जिनका वैश्विक उत्पादन में 55% से अधिक का योगदान है।
- भारत कई वर्षों तक बाजरे का मुख्य उत्पादक रहा है। हालाँकि, हाल के समय में अफ्रीका में बाजरे के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/death-of-elephants-due-to-kodo-millet-poisoning>

